Group discussion 'Aprajite , Samwaad programme(Discussion) on Women Empowerment with college students in collaboration with Amar Ujala foundation' Dated on: 24-11-2021

Youth & Women

युवा• महिला• संस्कृति• समाज

बेटियां होंगी जागरूक तो बदलेगी समाज की सोच

राजकीय महिला महाविद्यालय में अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से महिला सशक्तिकरण [illegible] पर अपरा[illegible] कार्यक्रम का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

करनाल। रेलवे रोड स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से महिला सशक्तिकरण विषय पर अपराजिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ने महिला की आजादी और उत्पीड़न को लेकर अपने विचार साझा किए।

छात्राओं ने कहा कि महिलाओं के प्रति समाज की सोच बदलने के लिए खुद भी मजबूत और जागरूक होना होगा।

महाविद्यालय की प्रोफेसर व विधि साक्षरता कोष की कन्वीनर डॉ. शिवाली ने कहा कि सिर्फ शिक्षा से ही महिलाएं सशक्त नहीं हो सकतीं। समाज की सोच में बदलाव भी महिलाओं को सशक्त कर सकता है। जिसके लिए महिलाओं को अपने अधिकारों को लेकर भी जागरूक होना जरूरी है।

अमर उजाला अपराजिता

राजकीय महिला महाविद्यालय में अमर उजाला की ओर से आयोजित अपराजिता कार्य[illegible]दौरान छात्राओं को [illegible] डॉ. शिवाली। अमर उजाला

महिलाएं काम करने के लिए घर से बाहर निकलती हैं तो उनके साथ छेड़छाड़ भी होती है। इसके लिए महिलाओं को खुद को मजबूत और साहसी बनाने की जरूरत है।
गुंजन

महिलाएं अपनी मर्जी से कोई भी निर्णय नहीं ले सकतीं। समाज क्या कहेगा, वाली सोच बदलने की जरूरत है। जिसके बाद ही महिलाएं सशक्त हो सकती हैं।
दीपिका

अगर किसी महिला के साथ कोई अनहोनी या छेड़छाड़ होती है तो अन्य महिलाओं को उसके समर्थन में आगे आना चाहिए जिससे उस महिला को आरोपियों से लड़ने में साहस मिल सके।
अनुष्का

लोगों के कुछ [illegible] खुद के [illegible] सोच भी [illegible] हो जाती [illegible] महिलाओं को [illegible] या पढ़ाई के [illegible] पर रोक लगाती है जबकि [illegible] करना [illegible]।
[illegible]नू

महिलाओं को लेकर समाज की सोच कुछ हद तक बदली भी है। जिसके परिणामस्वरूप महिलाएं हर वर्ग में उत्कृष्ट कार्य करते हुए आगे भी बढ़ रही हैं। यह जागरूक होने से ही संभव हुआ है।
दिव्या

लड़कियों पर जल्द शादी करने का दबाव रहता है जिससे उनकी पढ़ाई और भविष्य को लेकर योजनाएं अधूरी रह जाती हैं। इसमें बदलाव होना चाहिए।
रितिका

लड़के और लड़कियों में अब भी भेदभाव किया जाता है जिससे उनका मनोबल तो कम होता है। बच्चों को समानता का अधिकार मिलना चाहिए।
शबनम

महिलाएं या बेटियां जब घर से बाहर पढ़ने या काम के लिए जाती हैं तो परिवार के लोगों को उनकी सुरक्षा को लेकर डर रहता है कि कुछ गलत न हो जाए। इस धारणा में बदलाव जरूरी है।
मुस्कान

बचपन से ही [illegible] को घरों में [illegible] रखा जाता है [illegible] उनकी ही मानसिकता [illegible] है। लड़[illegible] लड़कों को [illegible] समझ[illegible]।
[illegible]नी

हर जगह लड़के भी गलत नहीं होते। महिला अधिकारों का भी दुरुपयोग किया जाता है। जिस पर [illegible] लगना जरूरी है ताकि बेवजह किसी निर्दोष को सजा न मिले।
दीया

Extension Lecture on the topic 'Women Legal Rights'. Dated on : 16-05-2022

Visit and Address by CJM cum secretary DLSA on the topic 'Legal Aid by DLSA'.
Dated on: 17-05-2022

LEGAL LITERACY CELL
OF
GOVT. COLLEGE FOR WOMEN, KARNAL

Extension Lecture on the topic “Social media: Inclusion , Representation and safety of women”.
Dated on : 18-05-2022